# बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना
# सफलता की कहानी
# दुग्ध सहकारी समिति खजवा, जिला छतरपुर

छतरपुर जिले में शासन द्वारा एम.पी.स्टेट को–ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन द्वारा संचालित एवं शत प्रतिशत अनुदान पर वित्त पोषण से जिले के ग्राम खजवा में संचालित बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना के अंतर्गत दुग्ध समिति गठन होने से ग्राम की स्थिति में सुधार हुआ है। ग्राम के दूध उत्पादकों का दूध समिति गठन से पूर्व प्रायवेट व्यापारियों द्वारा औने–पौने दामों पर रू 15–18 प्रति लीटर से दूध क्रय किया जाता है वहीं दुग्ध समिति गठन पश्चात लगभग रू 27/– प्रति लीटर का दूध का औसत मूल्य दुग्ध उत्पादकों को प्राप्त हो रहा है।

परियोजना कार्य प्रारंभ होने से छतरपुर जिले की राजनगर तहसील के ग्राम खजवा में दिनांक 14.12.2010 को दुग्ध समिति गठन की गई। समिति में प्रारंभ में 30 सदस्यों द्वारा रू 3000/– अंशपूंजी एकत्रित कर दुग्ध समिति गठन की गई थी। इस समिति में डेयरी गतिविधियों के कार्यों में महिलाओं द्वारा भी रूचि ली जा रही है एवं वर्तमान में 34 महिलाएं दुग्ध समिति की सदस्य है। इस ग्राम में पूर्व में प्रारंभिक दुग्ध संकलन 206 लीटर प्रति दिन था। दुग्ध समिति में एक वर्ष में ही 126903 लीटर दुग्ध संकलन हुआ है एवं दुग्ध उत्पादकों को रू 3294140/– का भुगतान किया गया। समिति द्वारा दुग्ध शीत केन्द्र को प्रति दिन 700 लीटर दूध भेजा जा रहा है जिससे प्रति दिन लगभग रू 21000/– का दूध विक्रय किया जा रहा है। समिति द्वारा दूध उत्पादकों को उनके द्वारा प्रदायित दूध का वर्ष 2011–12 का रू 41469/– का बोनस भी वितरण किया गया है।

समिति में पूर्ण पारदर्शिता हेतु परियोजना मद से 90 प्रतिशत अनुदान पर इलेक्ट्रानिक मिल्कोटेस्टर, तौल कांटा उपकरण की भी स्थापना की गई है एवं हरा चारा उत्पादन, पशु रख–रखाव की व्यवस्था में भी प्रशिक्षण दिया गया है। दुग्ध संघ द्वारा पशुओं के उपचार हेतु डीवर्मिंग, टीकाकरण की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। समिति में उन्नत नस्ल के दुधारू पशु हेतु कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। दूध उत्पादकों द्वारा स्व प्रेरणा से स्ववित्त से पशु क्रय किए गए है। दुग्ध संघ द्वारा चॉफ कटर प्रदाय किए गए है। समिति प्रारंभ से जनवरी 2013 तक लगभग रू 60 लाख का दूध विक्रय किया जा चुका है। समिति निरंतर लाभ में चल रही है।

डेयरी कार्यक्रम के प्रदेश के दूरस्थ अंचल में लागू होने से ग्रामवासी अत्यंत उत्साहित है पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय को अपना मुख्य कार्य बनाते हुए डेयरी गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान करने के इच्छुक है। डेयरी गतिविधियां प्रारंभ होने से ग्राम में ही रोजगार के तथा वर्ष भर निरंतर आय के साधन उपलब्ध हुए है।

.....